शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)
Government College, Silphili, Dist. Surajpur C.G.
Website-Govtcollegesilphili.ac.in E-mail-govt.collegesilhili@gmail.com

दिनांक-16 सितंबर 2021

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में दिनांक 16 सितंबर 2021 को स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम कुमार मिश्र तथा वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी ने संस्कृति की देवी सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्प चढ़ाकर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी। मंच संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी ने प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया, उसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सामान्य नियमों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान के कठिन महामारी को देखते हुए हमें पूरी तरह सतर्क रहने की आवश्यकता है। हम मास्क लगाकर ही महाविद्यालय में प्रवेश करें। सफाई का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोएँ। अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित और सुरक्षित रखें । इस तरह हम अपने को सुरक्षित और व्यवस्थित रख सकते हैं। वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को विद्यालय की तुलना में अधिक स्वतंत्रता दी जाती है, परंतु उन्हें स्वतंत्रता के सही अर्थ को समझने की आवश्यकता है । स्वतंत्रता वहीं तक सही है जहां तक वह किसी अन्य की स्वतंत्रता में बाधक न बने। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के आचार संहिता की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को शालीन और मर्यादित वेशभूषा को आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन मैं पूरी ईमानदारी से भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना, हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को अभद्र व्यवहार, गाली गलौज, मारपीट इत्यादि से बचने की सलाह दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ राम कुमार मिश्र ने कहा कि बच्चे स्कूल से पहली बार कॉलेज में पहुंचते है, तो वे दोनों के बीच के परिवर्तन को देखते और परखते हैं, विद्यार्थियों ने 12वीं तक अध्ययन की एक नींव रख ली है और उन्हें उसी को आगे बढ़ाते चले जाना है। परिवर्तन जीवन का नियम है, नई पीढ़ी के लोग परिवर्तन को बहुत तेजी से महसूस कर रहे हैं। उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से मिल जाता है, लेकिन समस्याओं के समाधान तथा अपने जीवन में किसी धारणा को बनाने के लिए नजरिया बेहतर करने की आवश्यकता है। ज्ञान, बुद्धि और विवेक से लिया गया फैसला हमेशा बेहतर और स्थाई होता है, इसलिए शिक्षा लेने के साथ-साथ हमें जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन श्री अजय कुमार तिवारी ने किया और उन्होंने अंत में सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अमित सिंह बनाफ़र, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी के साथ कार्यालयीन कर्मचारी श्री वीरेंद्र सिन्हा, श्री अशोक राजवाड़े, श्री दिनेश तथा श्री हेमंत के साथ 71 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

CamScanner

कार्यक्रम की झलकियाँ

उन्मुखीरण कार्यक्रम में प्राचार्य का संबोधन

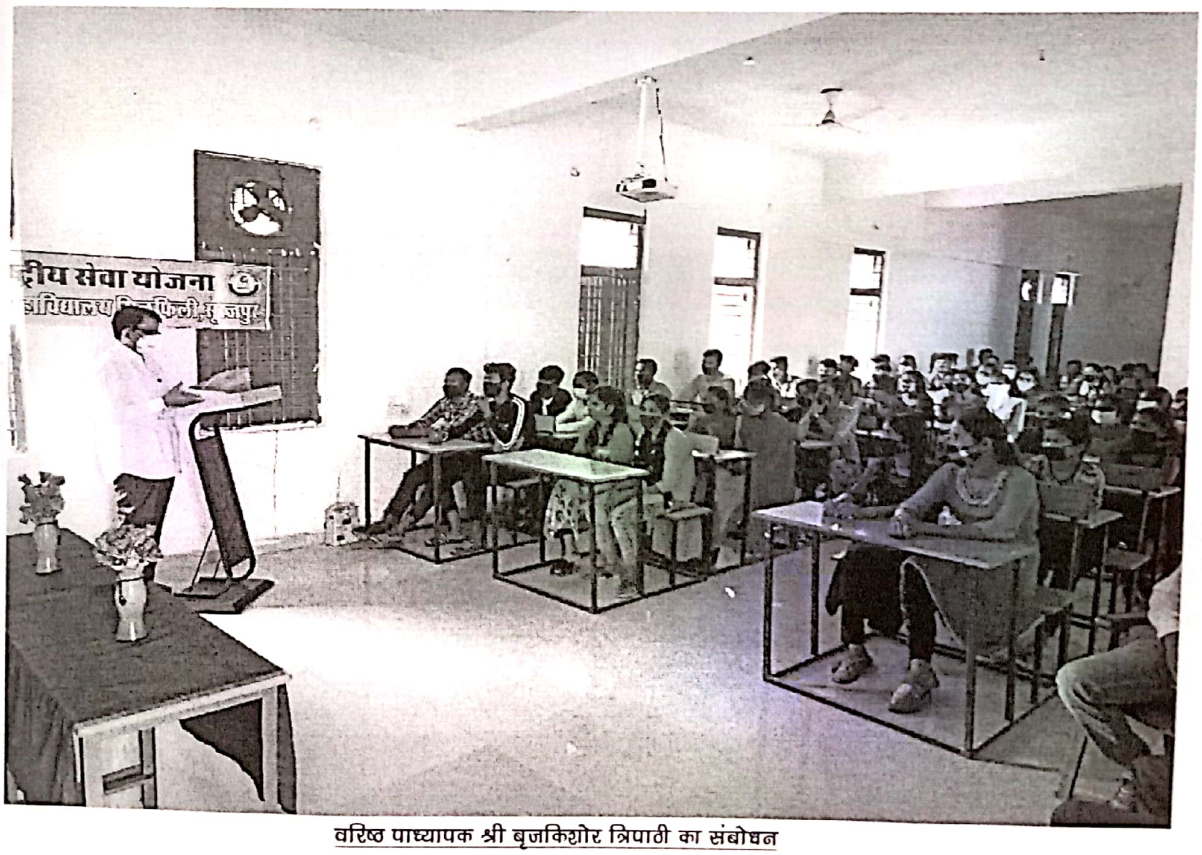

वरिष्ठ पाध्यापक श्री बृजकिशोर त्रिपाठी का संबोधन

CamScanner

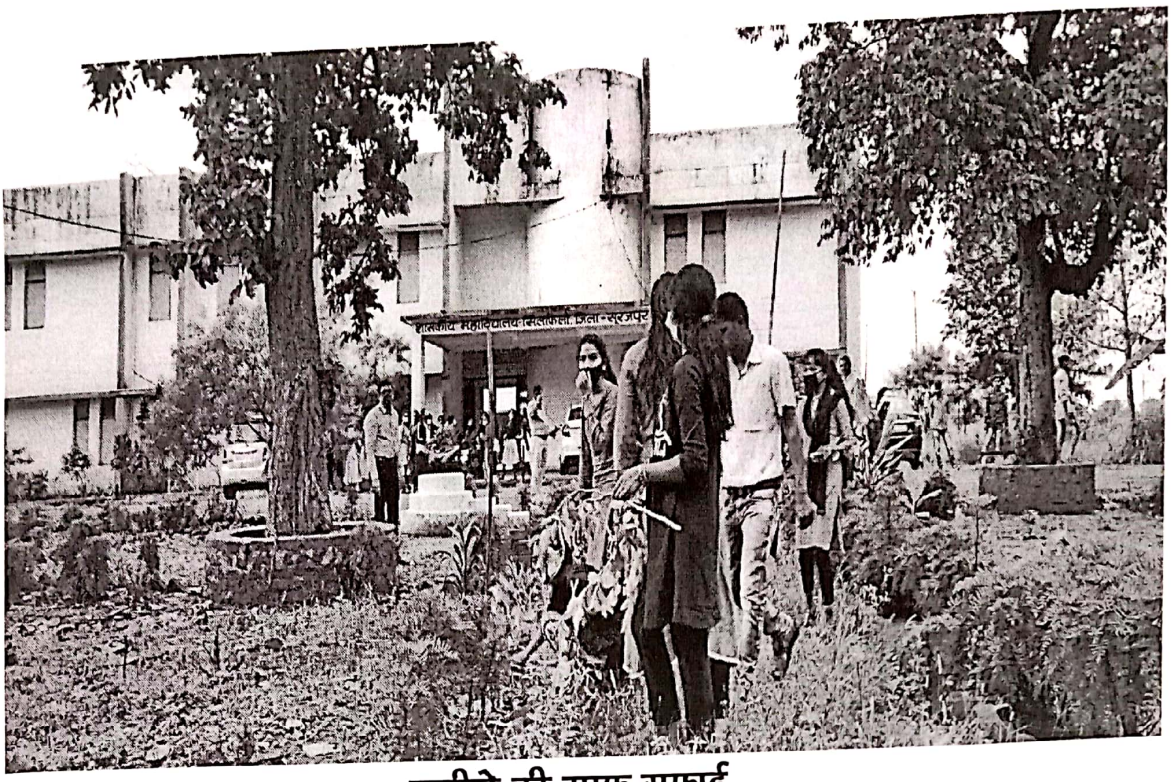

बगीचे की साफ सफाई

बगीचे में पौधरोपण

CamScanner

दिनाँक-20 सितंबर 2021 पत्रिका अंबिकापुर

कार्यक्रम

'बुद्धि-विवेक से लिया गया फैसला हमेशा रहता है बेहतर'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अंबिकापुर. शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. राम कुमार मिश्र तथा वरिष्ठ प्राध्यापक बीके त्रिपाठी ने मां सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्प चढ़ाकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंच संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक अजय कुमार तिवारी ने कहा कि वर्तमान के कठिन महामारी को देखते हुए हमें पूरी तरह सतर्क रहने की आवश्यकता है। हम मास्क लगाकर ही महाविद्यालय में प्रवेश करें। सफाई का विशेष ध्यान रखें।

वरिष्ठ प्राध्यापक वीके त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को विद्यालय की तुलना में अधिक स्वतंत्रता दी जाती है, परंतु उन्हें स्वतंत्रता के सही अर्थ को समझने की आवश्यकता है।

स्वतंत्रता वहीं तक सही है जहां तक वह किसी अन्य की स्वतंत्रता में बाधक न बनें। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के आचार संहिता की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को शालीन और मर्यादित वेशभूषा को आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन में पूरी इमानदारी से भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्राचार्य डॉ. राम कुमार मिश्र ने कहा कि बच्चे स्कूल से पहली बार कॉलेज में पहुंचते हैं तो वे दोनों के बीच के परिवर्तन को देखते और परखते हैं। विद्यार्थियों ने 12वीं तक अध्ययन की एक नींव रख ली है और उन्हें उसी को आगे बढ़ाते चले जाना है। परिवर्तन जीवन का नियम है, नई पीढ़ी के लोग परिवर्तन को बहुत तेजी से महसूस कर रहे हैं। उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से मिल जाता है, लेकिन समस्याओं के समाधान तथा अपने जीवन में किसी धारणा को बनाने के लिए नजरिया बेहतर करने की आवश्यकता है।

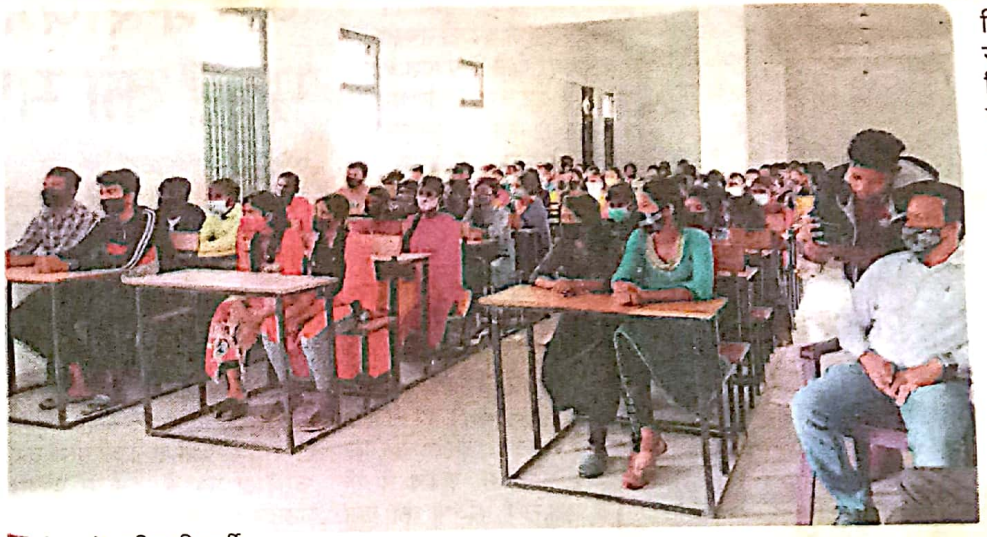

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी

ज्ञान, बुद्धि और विवेक से लिया गया फैसला हमेशा बेहतर और स्थाई होता है, इसलिए शिक्षा लेने के साथ-साथ हमें जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन अजय कुमार तिवारी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक अमित सिंह बनाफर, शालिनी शांता कुजूर, अंजना, भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, संदीप सोनी के साथ कार्यालयीन कर्मचारी वीरेंद्र सिन्हा, अशोक राजवाड़े, दिनेश तथा हेमंत के साथ 71 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

CamScanner

दिनांक - 21 सितंबर 2021 अंबिकावाणी

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में दिनांक १६ सितंबर २०२१ को स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम कुमार मिश्र तथा वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी ने संस्कृति की देवी सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्प चढ़ाकर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी। मंच संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी ने प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया, उसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सामान्य नियमों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान के कठिन महामारी को देखते हुए हमें पूरी

तरह सतर्क रहने की आवश्यकता है। हम मास्क लगाकर ही महाविद्यालय में प्रवेश करें। सफाई का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोएँ। अपनी वस्तुओं को व्यवस्थित और सुरक्षित रखें । इस तरह हम अपने को सुरक्षित और व्यवस्थित रख सकते हैं। वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को विद्यालय की तुलना में अधिक स्वतंत्रता दी जाती है, परंतु उन्हें स्वतंत्रता के सही अर्थ को समझने की आवश्यकता है ढ्ढ स्वतंत्रता वहीं तक सही है जहां तक वह किसी अन्य की स्वतंत्रता में बाधक न बने। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के आचार संहिता की जानकारी दी ढ्ढ उन्होंने विद्यार्थियों को शालीन और मर्यादित वेशभूषा को आवश्यक बताया। उन्होंने

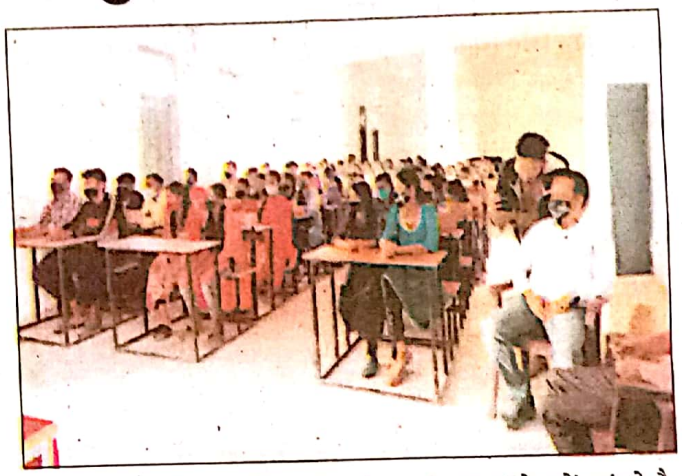

बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन में पूरी ईमानदारी से भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना, हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को अभद्र व्यवहार, गाली गलौज, मारपीट इत्यादि से बचने की सलाह दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ राम कुमार मिश्र ने कहा कि बच्चे स्कूल से पहली बार कॉलेज में पहुंचते है, तो वे दोनों के बीच के परिवर्तन को देखते और परखते हैं, विद्यार्थियों ने १२वीं तक अध्ययन की एक नींव रख ली है और उन्हें उसी को आगे बढ़ाते चले जाना है। परिवर्तन जीवन का नियम है, नई पीढ़ी के लोग परिवर्तन को बहुत तेजी से महसूस कर रहे हैं ढ्ढ उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से मिल जाता है, लेकिन समस्याओं के समाधान तथा अपने जीवन में किसी धारणा को बनाने के लिए नजरिया बेहतर करने की आवश्यकता है। ज्ञान, बुद्धि और विवेक से लिया गया फैसला हमेशा बेहतर और स्थाई होता है, इसलिए शिक्षा लेने के साथ-साथ हमें जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन श्री अजय कुमार तिवारी ने किया और उन्होंने अंत में सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को कार्यक्रन में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद दियां। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अमित सिंह बनाफर, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी के साथ कार्यालयीन कर्नचारी श्री वीरेंद्र सिन्हा, श्री अशोक राजवाड़े, श्री दिनेश तथा श्री हेमंत के साथ ७१ विद्यार्थियों ने भाग लिया।

CamScanner

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली, जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)
Government College, Silphili, Dist. Surajpur C.G.
Website-Govtcollegesilphili.ac.in E-mail-govt.collegesilhili@gmail.com

दिनांक-24 सितंबर 2021

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर संपन्न हुए विभिन्न कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा एनएसएस डे पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री राम कुमार मिश्र एवं वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी जी द्वारा एनएसएस के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। दीप प्रज्वलन के पश्चात छात्रों के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गीत एवं एनएसएस प्रेरणा गीत का गायन किया गया। प्रथम वर्ष के छात्रों का पंजीयन का कार्य किया गया। पंजीयन कार्यक्रम के पश्चात कार्यक्रम अधिकारी श्री अमित सिंह बनाफर द्वारा छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना इतिहास एवं उसकी शुरुआत दौर का परिचय कराया गया साथ में यह भी बताया गया कि वर्तमान समय में यह छात्रों का सबसे बड़ा संगठन है, जिसमें पूरे देश में लगभग 40 लाख स्वयंसेवक प्रतिवर्ष पंजीकृत होते हैं तथा छत्तीसगढ़ राज्य में महाविद्यालय एवं स्कूल में 95800 स्वयंसेवकों का आवंटन है, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे है।

छात्रों के उद्बोधन के क्रम में सबसे पहले बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र ऋतिक समझदार के द्वारा एनएसएस के छात्र जीवन के महत्व पर अपना विचार रखा गया। इसके बाद बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा वैष्णवी गुप्ता द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना से छात्रों को होने वाले लाभ एवं इसके प्रमाण पत्र की महत्व पर प्रकाश डाला गया। जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सूरजपुर से प्राप्त निर्देशानुसार महाविद्यालय में कैंपस एंबेसडर एवं नोडल अधिकारी का भी चयन किया गया, जिसमें कैंपस एंबेसडर के रूप में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र देवाशीष दास महंत एवं बी ए द्वितीय वर्ष की छात्रा रानू कुशवाहा का चयन कैंपस एंबेसडर के रूप में किया। जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला-सूरजपुर से प्राप्त निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय के 7 एनएसएस छात्रों का लाइफ लाइन एक्सप्रेस विश्रामपुर में वालंटियर हेतु चयन किया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य महोदय ने छात्रों कहा कि छात्र जीवन में अध्ययन के अलावा शारीरिक श्रम एवं संयम का भी विशेष महत्व होता है। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य एवं दायित्व भी है। उन्होंने छात्रों से यह आह्वान किया कि इस परिसर को स्वच्छ बनाने में न केवल एनएसएस के छात्रों की सहभागिता होनी चाहिए, बल्कि सभी छात्र छात्राएं इस महाविद्यालय को अपना घर समझे एवं इसे अपने घर जैसा ही स्वच्छ रखें। अंत में प्राचार्य महोदय तथा श्री बी के त्रिपाठी के द्वारा छात्रों को एन एस एस का 'बी' प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी के साथ कार्यालयीन कर्मचारी श्री वीरेंद्र सिन्हा, श्री अशोक राजवाड़े, श्री दिनेश तथा श्री हेमंत के साथ 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

CamScanner

कार्यक्रम की जानकारी देते NSS प्रभारी श्री अमित सिंह बनाफर

कार्यक्रम के दौरान B प्रमाण पत्र का वितरण

दिनांक - 27 सितंबर 2021 पत्रिका अंबिकापुर

कार्यक्रम

'वर्तमान में छात्रों का सबसे बड़ा संगठन है रासेयो'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अंबिकापुर. शासकीय महाविद्यालय सिलफिली राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एनएसएस डे पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य राम कुमार मिश्र एवं वरिष्ठ प्राध्यापक बीके त्रिपाठी द्वारा स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम अधिकारी अमित सिंह बनाफर ने बताया गया कि वर्तमान समय में रासेयो छात्रों का सबसे बड़ा संगठन है, इसमें पूरे देश में लगभग 40 लाख स्वयंसेवक प्रतिवर्ष पंजीकृत होते हैं तथा छत्तीसगढ़ राज्य में महाविद्यालय एवं स्कूल में 95800 ... त्रकों का आवंटन है, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। छात्र ऋतिक समझदार द्वारा एनएसएस के छात्र जीवन के महत्व पर अपना विचार रखा गया। इसके बाद छात्रा वैष्णवी गुप्ता द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना से छात्रों को होने वाले लाभ एवं इसके प्रमाण पत्र के महत्व पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय में कैंपस एंबेसडर एवं नोडल अधिकारी का भी चयन किया गया, इसमें कैंपस एंबेसडर के रूप में छात्र देवाशीष दास महंत एवं छात्रा रानू कुशवाहा का चयन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्रों कहा कि छात्र जीवन में अध्ययन के अलावा शारीरिक श्रम एवं संयम का भी विशेष महत्व होता है। महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य एवं दायित्व भी है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि इस परिसर को स्वच्छ बनाने में न केवल एनएसएस के छात्रों की सहभागिता होनी चाहिएए बल्कि सभी छात्र छात्राएं इस महाविद्यालय को अपना घर समझें एवं इसे अपने घर जैसा ही स्वच्छ रखें। अंत में प्राचार्य तथा बीके त्रिपाठी द्वारा छात्रों को एनएसएस का बी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अजय कुमार तिवारी, शालिनी शांता कुजूर, अंजना, भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, संदीप सोनी, वीरेंद्र सिन्हा, अशोक राजवाड़े, दिनेश, हेमंत व विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि